

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4 PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 18] No. 18] नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 23, 2000/फाल्गुन 4, 1921 NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 23, 2000/PHALGUNA 4, 1921

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2000

सं. टीएएमपी/6/2000-सामान्य.—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 49 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण एतद्द्वारा संलग्न आदेशानुसार एक समय सीमा निर्धारित करता है, जिसके आगे बर्थ किराया सभी महापत्तनों द्वारा साझा रूप में अपनाए जाने के लिए लागू नहीं होगा।

मामला सं. टीएएमपी/6/2000-सामान्य

आदेश

(फरवरी, 2000 के चौथे दिन को पारित किया गया)

इस प्राधिकरण की यह उल्लिखित स्थिति रही है कि महापत्तनों में प्रशुल्क निर्धारण के मामले में एक समान सिद्धांत, दृष्टिकोण और अवधारणाएं अपनाई जानी चाहिएं। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए चंन्नई में फरवरी, 98 में आयोजित कार्यशाला में अपनाए गए दिशानिर्देश हमारा मार्गदर्शन करते रहे हैं।

- 2. अपनाए गए दिशानिर्देशों में से एक इस संबंध में था कि कोई पोत प्रस्थान करने के लिए तैयारी की जैसे ही सूचना देता है, त्यों ही बर्थ किराया बंद हो जाएगा। विशेषकर, प्रशुल्कों के आम संशोधन के संबंध में अपने प्रस्ताव के संदर्भ में तूतीकोरिन पत्तन न्यास (टीपीटी) ने इस दिशानिर्देश के क्रियान्वयन के लिए हाल ही में प्रस्ताव किया था। और भी महत्वपूर्ण रूप में, टीपीटी ने अपने प्रयोक्ताओं के साथ परामर्श से इस संबंध में एक सर्वसम्मत प्रस्ताव दिया था। इसका हमारे द्वारा 8 दिसंबर, 99 को अनुमोदन किया गया था।
- 3. इस पृष्ठभूमि में, समग्र रूप में ध्यान देने के आधार पर आंर इस तथ्य को जानते हुए कि उक्त निर्णय में शामिल सिद्धांत/अवधारणाएं सभी महापत्तनों के लिए साझा रूप में सुसंगत और वैध हैं, यह प्राधिकरण सभी महापत्तनों के लिए साझा रूप में निम्नलिखित निर्णय करता है :—
 - (i) एक ऐसी समय सीमा होगी जिसके आगे वर्श किराया लागू नहीं होगा, पोत द्वारा प्रस्थान करने के लिए तैयारी का संकेत देने के समय के 4 घंटे बाद बर्थ किराया बंद हो लागगा।

(1)

534 G1/2000

- (ii) गलत संकेत देने पर एक दिन के वर्थ किराया प्रभार के बराबर 'दंडात्मक वर्थ किराया' लगाया जाएगा।
- 4. सभी महापत्तनों (तूतीकोरिन पत्तन न्यास को छोड़कर) को एतद्द्वारा अपने दरों के मान में तदनुसार उपयुक्त परिवर्तन करने का निर्देश दिया जाता है। यह आदेश भारत के राजपत्र में इसको अधिसुचित किए जाने के 30 दिन पश्चात प्रभावी होगा।

एस. सत्यम, अध्यक्ष

[विज्ञापन/3/4/असाधारण/143/99]

TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd February, 2000

No. TAMP/6/2000-Genl.—In exercise of the powers conferred by Section 49 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Tariff Authority for Major Ports hereby fixes the time limit beyond which berth hire shall not apply for common adoption by all the Major Ports as in the Order appended hereto.

CASE No. TAMP/6/2000-Genl.

ORDER

(Passed on this 4th day of February, 2000)

It has been the stated position of this Authority to adopt uniform principles, approaches, and concepts in the matter of tariff fixation at the major ports. Towards this end, we have been guided by the Guidelines adopted at the Workshop held in Chennai in February 98.

- 2. One of the Guidelines adopted was to the effect that berth hire shall cease as soon as a vessel reports its readiness to leave. Significantly, in the context of its proposal for a general revision of tariffs, the Tuticorin Port Trust (TPT) had recently proposed implementation of this Guidelines. Even more significantly, the TPT gave a consensus proposal in this regard in consultation with its users. This was approved by us on 8 December, 99.
- 3. In this backdrop, based on a collective application of mind, and in recognition of the fact that the principles/concepts involved in the said decision are equally relevant to and valid in all the major ports, this Authority takes the following decision commonly for all the major ports:
 - (i) There shall be a time limit beyond which berth hire shall not apply; berth hire shall stop 4 hours after the time of vessel signalling its readiness to sail.
 - (ii) There shall be a 'penal berth hire' equal to one day's berth hire charge for a false signal.
- 4. All the major ports (except the Tuticorin Port Trust) are hereby directed to introduce appropriate changes accordingly in their Scale of Rates. This Order shall come into effect 30 days after its notification in the Gazette of India.

S. SATHYAM, CHAIRMAN [Advt/III/IV/Exty/143/99]